रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 20 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 235 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वनों में स्थित आस्था स्थलों को किया जाए विकसित

● मुख्यमंत्री बोले-नगर वनों का उचित विकास और रखरखाव हो

सीएम ने कहा-नदियों के किनारों पर पौधरोपण को करें प्रोत्साहित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के वनांचल में ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जिन्हें स्थानीय समुदायों द्वारा सांस्कृतिक या धार्मिक मान्यताओं के आधार पर पारंपरिक रूप से संरक्षित किया जाता है। आस्था के ये क्षेत्र न केवल आध्यात्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि जैवविविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी संतुलन, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ऐसे स्थलों को देवलोक वनों के रूप में विकसित करने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन क्षेत्र में प्रदेश की प्रमुख नदियों के दोनों ओर 5 किलोमीटर क्षेत्र में पौधारोपण गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदियों के किनारों के अतिक्रमण हटाने में स्थानीय समुदाय का सहयोग लिया जाए। साथ ही स्थानीय समुदाय के आय संवर्धन के लिए पौधारोपण में औषधीय पौधों सहित उपयोगी पौधों के रोपण को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर उज्जैन देवास क्षेत्र को मेट्रोपोलिटन एरिया के रूप में विकसित किया जा रहा है।

● मगरमच्छ व अन्य जलीय जीव स्वस्थ इकोसिस्टम के लिए जरूरी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदियों और जल संरचनाओं के स्वस्थ ईकोसिस्टम को बनाए रखने में मगरमच्छ, घड़ियाल और कछुओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन नदियों और जल संरचना में यह जीव अधिक संख्या में हैं, वहां से उन्हें शिफ्ट कर अन्य नदियों और जल संरचना में छोड़ा जाए। इसकी शुरुआत नर्मदा और तवा नदी से की जाए। बैठक में वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने, लघु वन उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, तेंदूपत्ता बोनस वितरण आदि विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख व अधिकारी उपस्थित थे।

सुबह 4 बजे उठो, 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ

● 'वोट चोरी' पर राहुल गांधी का एक बार फिर ईसी पर वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार 'वोट चोरी' का मुद्दा उठा रहे हैं। उनके निशाने पर चुनाव आयोग है। कांग्रेस नेता शुक्रवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग पर अटैक किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। उन्होंने वोटर लिस्ट से कथित तौर पर नाम हटाए जाने के संबंध में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक संक्षिप्त वीडियो 'एक्स' पर शेयर किया।

राहुल गांधी ने अपनी पीसी का वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि जिन लोगों के नाम का इस्तेमाल कर वोट हटाए गए उन्हें यह पता ही नहीं था। सुबह चार बजे भी नाम हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, सुबह चार बजे उठो, 36 सेकंड में दो वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ। ऐसे भी हुई वोट चोरी।

शहर में दुकानदारों ने शुरू किया स्वदेशी जागरण अभियान

● पीएम मोदी के आह्वान के बाद ऐक्टिव हुए प्रदेश के दुकानदार

● दुकानदारों ने विदेशी सामग्री के स्वदेशी विकल्प की भी लगाई सूची

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अपनाओ के आहवान को जनआंदोलन बनाने की दिशा में नरेला विधानसभा में अनूठी पहल शुरू हुई है।

शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 58 स्थित गौतम नगर मार्केट के स्थानीय दुकानदारों के आग्रह पर सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्वदेशी अभियान में सहभागिता की। मंत्री श्री सारंग की मौजूदगी में दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर हमारे यहां स्वदेशी सामान मिलता है÷ के स्टीकर लगाए साथ ही ग्राहकों को स्वदेशी सामान खरीदने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी स्वदेशी सामान की खरीदारी कर यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह आहवान आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करने वाला है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर हम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में योगदान देंगे, बल्कि स्थानीय उद्यमों और श्रमिकों को भी नई ताकत प्रदान करेंगे। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का संदेश उन्हें नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

'बैट' नीतिश कुमार के हाथ में लेकिन 'बैटिंग' करेगी बीजेपी

● बिहार में 'कप्तान' के खुशी-खुशी चार्ज देने के अलग हैं मायने

पहली बार खुद नीतिश कुमार अमित शाह से मिलने होटल पहुंचे

पटना (एजेंसी)। गुरुवार को नीतिश कुमार जब अचानक अमित शाह से मिलने उनके होटल पहुंचे तो यह साफ हो गया कि एनडीए का गेम प्लान अब बदल गया है। नीतिश, भाजपा के साथ सलामी बल्लेबाज तो हैं लेकिन उनका एंड चेंज हो गया है। मैच शुरू होने पर नीतिश पहले स्ट्राइक खुद संभालते थे। अब नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हैं। स्ट्राइक फिलहाल भाजपा संभाल रही है। वह इसलिए क्यों कि भाजपा ज्यादा स्कोर कर रही है। उसका स्ट्राइक रेट भी जदयू से बेहतर है।

वह विपक्षी टीम की तेज गेंद का बखूबी सामना कर रही है। टीम के कप्तान नीतिश कुमार तो हैं, लेकिन जीत की वजह भाजपा की ठोस बल्लेबाजी है। जीत के लिए सिर्फ बेहतर कप्तानी ही जरूरी नहीं, बल्कि स्कोर बोर्ड पर रन भी टांगने पड़ते हैं। रन तो भाजपा बना रही है। इसलिए कप्तान अब राजी-खुशी भाजपा को अहमियत दे रहे हैं। मीटिंग में अधिक चर्चा चिराग पासवान की हिस्सेदारी पर हुई।

● 2020 में जदयू को भाजपा से एक सीट अधिक- 2020 के विधानसभा चुनाव के समय चिराग पासवान एनडीए से अगल थे। फिर भी उस समय सीट बंटवारे में बहुत खींचतान हुई थी। बहुत जद्दोजहद के बाद जदयू के लिए 122 और भाजपा के लिए 121 तय हुईं थीं। जदयू ने अपने कोटे में से 7 सीटें जीतन राम मांझी को दी थीं। भाजपा को 121 सीटों में से मुकेश सहनी को भी हिस्सा देना था। मुकेश सहनी पहले महागठबंधन में अपने लिए ज्यादा सीटों की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन जब उन्हें वहां अपमान मिला तो वे आक्रोशित हो कर एनडीए में आ गये थे। भाजपा ने अपने कोटे से उन्हें 11 सीटें दी थीं। इसके अलावा एक एमएलसी सीट भी देने का वादा किया था।

इंदौर के सिरपुर झोन के ए ई राजेश गुप्ता की जादूगरी

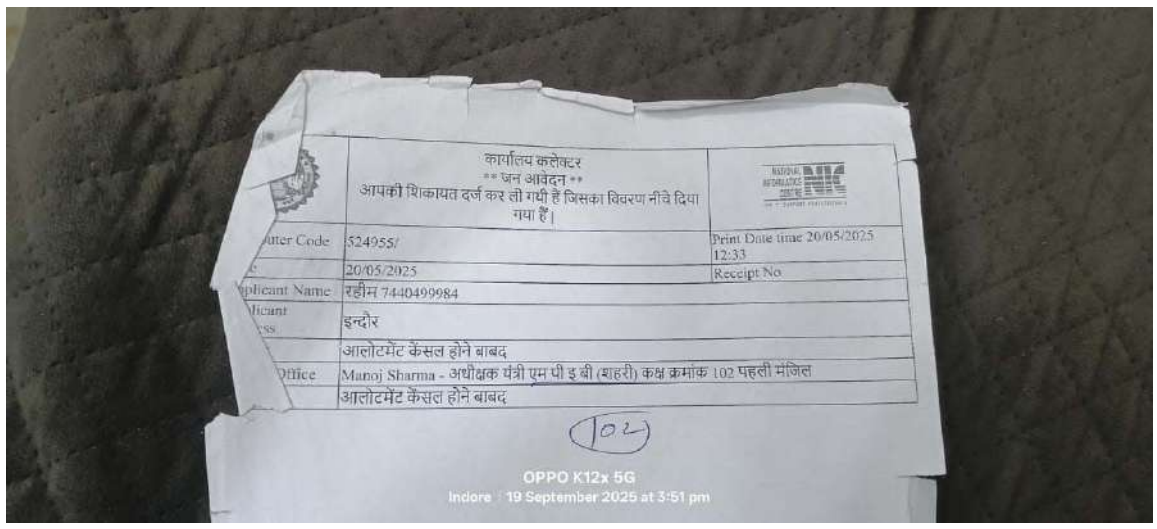

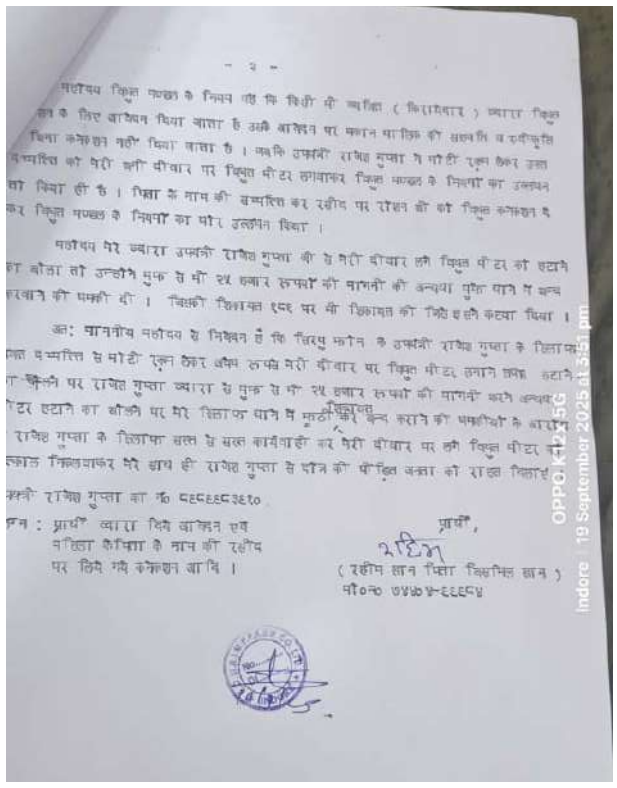

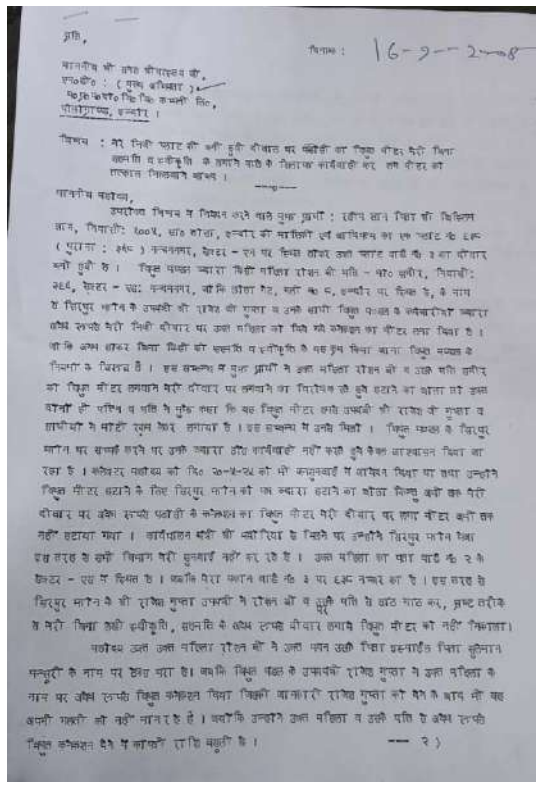

रणजीतटाइम्स

इंदौर। किसी और के प्लॉट पर लगा दिया बिजली का मीटर मीटर लगाना था 396 पर लेकिन लगा दिया 368 पर शिकायत के बाद भी कुंभकर्ण की नींद सो रहे हैं राजेश गुप्ता इंदौर के सिरपुर झोन पर भ्रष्टाचार चरम पर है यहां झूठे चालान के नाम पर गरीब जनता को लुटा जा रहा हैं किसी ओर के प्लॉट पर मीटर लगाने का यह ताजा मामला सामने आया है जिसमें फरियादी के द्वारा कलेक्टर से लेकर इंदौर के तमाम आला अधिकारियों को शिकायत की गई है और लोकायुक्त कार्यवाही की मांग की जा रही है।

इंदौर से पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री रवाना

इंदौर। पंजाब के अमृतसर ज़िले में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों की सहायता हेतु मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ व राधे राधे फाउंडेशन द्वारा राहत सामग्री का बड़ा काफिला आज इंदौर से रवाना किया गया।

ट्रकों में भेजी गई सामग्री में राशन, दवाइयाँ, कपड़े, कंबल, बिस्किट, पानी की बोतलें और पशुओं के लिए दवाइयाँ शामिल हैं। यह सामग्री अमृतसर के रामदास-अजनाला बेल्ट के घोनेवाल, मच्छीवाला, गहोनीवाल, निशोके, पाण्डजीराईवाला, गुर्मराई, रुरेवाल, दरिया मुसा, मलाकपुर, गिल्ला वाली, बेदी छनना, कोट राजादा, चहारपुर, कामीरपुरा, बल लभे दरिया और साहोवाल समेत लगभग 20 गांवों तक पहुंचाई जाएगी। ये क्षेत्र रावी नदी का धुस्सी बांध टूटने से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। प्रस्थान अवसर पर योगेंद्र महंत जी, संतोष मीणा जी, दिनेश जी स्नेह गंगवालजी , मुक्तांश जैन , प्रभात अग्रवाल सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता व स्वयंसेवक उपस्थित रहे। महासंघ के अध्यक्ष शशि सातपुते ने बताया कि महासंघ के श्रेयांश जैन, रविन्द्र जाधव, विकास पवार, विनय परमार, आर्यन व ललित सातपुते अमृतसर पहुंचकर सामग्री का वितरण करेंगे।

इंदौर के प्रशिक्षणार्थियों ने पुणे में पश्चिम क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में चमकाया परचम, राष्ट्रीय स्तर पर जगह पक्की

रणजीत टाइम्स

अनिल चौधरी

इंदौर। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के सैमसंग प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षार्थियों ने अपनी प्रतिभा और कौशल से एक बार फिर इंदौर और प्रदेश का मान बढ़ाया है। हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग 250 प्रतिभागियों में से चुनकर पश्चिम क्षेत्र की संयुक्त प्रतियोगिता में इंदौर के होनहार प्रशिक्षणार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

पश्चिम क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 19 सितम्बर 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, औंध, पुणे में किया गया। इसमें ऑडियो विजुअल टेक्नोलॉजी, हैंड हेल्ड प्रोडक्ट्स और रचा वर्ग

निखिल चौधरी/पिता अनिल चौधरी

में इंदौर के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टॉप स्थान हासिल किए। ऑडियो विजुअल टेक्नोलॉजी में अंकित द्विवेदी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हैंड हेल्ड प्रोडक्ट्स में निखिल चौधरी ने प्रथम स्थान और सिद्धार्थ मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं रचा वर्ग में भावेश अशोक सोनी ने प्रथम स्थान तथा रज़ा अली ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इन उपलब्धियों के साथ इंदौर के इन प्रतिभागियों ने अगले चरण की प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। प्रथम स्थान पर आने वाले को तीन उत्पाद 1,05,000 मूल्य के, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को दो उत्पाद 62,000 मूल्य के, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को एक उत्पाद 37,000 मूल्य का और टॉप 4 से 10 स्थान पाने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 17,500 मूल्य का एक उत्पाद भेंट किया जाएगा। इस शानदार उपलब्धि पर संस्था के प्रशिक्षण अधिकारियों धर्मेन्द्र सामसे,राजेश डावर और सतीश पाल को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। संस्था परिवार ने अपने प्रशिक्षार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए आगामी चरण की प्रतियोगिता में और भी ऊंचे मुकाम हासिल करने की शुभकामनाएं दी हैं। संस्था का विश्वास है कि इंदौर के ये होनहार प्रतिभागी आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

रणजीत टाइम्स

डाक विभाग द्वारा इंदौर रेलवे स्टेशन पर आमजन के लिए सुविधाओं का पिटारा खोला गया

रेलवे स्टेशन पर जन सामान्य एवं यात्रियों को एक आधार एनरोलमेंट / आधार अपडेशन की सुविधा देने हेतु डाक विभाग द्वारा नवाचार करते हुए आज दिनांक 18.09.2025 को कार्यालय अधीक्षक रेल डाक सेवा इंदौर में सुश्री प्रीती अग्रवाल, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर क्षेत्र इंदौर के मुख्य आतिथ्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेलवे पुलिस इंदौर, श्रीमती मनीषा पाठक सोनी की विशिष्ट आतिथ्य एवं श्री उमाकांत शाक्यवार अधीक्षक रेल डाक सेवा आय.डी. मंडल इंदौर की उपस्तिथि में रेल डाक सेवा इंदौर में आधार सेवा केंद्र एवं पार्सल पैकेजिंग केंद्र का शुभारम्भ किया गया। यह मध्य प्रदेश डाक परिमंडल का पहला आधार केन्द्र होगा जो की रेलवे स्टेशन पर स्थित है I

विशिष्ट अतिथि के उदबोधन में पुलिस खाकी एवं डाक विभाग की खाकी का देश के लिए योगदान को सराहा गयाI मुख्य अतिथि के द्वारा अपने उदबोधन में आम जनता को स्टेशन पर ही आवश्यक सुविधाओं के लाभ प्रदाय करने हेतु रेलवे स्टेशन पर आधार सेवा केंद्र एवं पार्सल पैकेजिंग केंद्र का शुभारम्भ किया गया है।

साथ ही डाक विभाग कि नवीन उपलब्धियों के बारे में बताया गया

इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के वरिष्ठ अधिकारीगण, इंदौर नगर मंडल के अधिकारीगण तथा समस्त स्टाफ़ व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में श्री अजीत सिंह डामोर मेनेजर NSH इंदौर द्वारा आभार व्यक्त किया गयाI।

दस पचास और सो वसूलने की तैयारी

विगत वर्ष विधायक के हस्तक्षेप के बाद निरस्त हुई थी यह वसूली

संजय प्रेम जोशी

बागली। सर्व पितृ अमावस्या पर इस वर्ष भी धारा जी स्नान घाट पर रविवार को लघु मेले का आयोजन संपन्न होगा। इस वर्ष अमावस्या तिथि रविवार अवकाश दिवस 21 सितंबर को आने से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार बागली जनपद क्षेत्र अंतर्गत स्नान घाट की सबसे निकट नरसिंगपुर ग्राम पंचायत को श्रद्धालुओं के जमघट मेले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में गुरुवार को स्नान घाट क्षेत्र का आधिकारिक अवलोकन हो चुका है। इस अवलोकन में बागली अनु विभाग के राजस्व अधिकारी जनपद पंचायत के सी ई ओ जल संसाधन विभाग के एसडीओ तथा पुलिस प्रशासन विभाग के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। आसपास की 5 ग्राम पंचायतो को भी व्यवस्था स्वरूप सक्रिय करते हुए जिम्मेदारी सौंप गई है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिनों तक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। बिगड़ते मानसून में श्रद्धालु कैसे पहुंचेंगे यह भी प्रशासन के लिए चुनौती है। कारण यह है ।कि स्नान घाट तक प्रतिदिन चलने वाली कोई भी परिवहन व्यवस्था नहीं

है इसलिए निजी वाहन का उपयोग ही करना मजबूरी रहेगा स्नान घाट से 14 किलोमीटर दूर पिपरी ग्राम पंचायत मुख्यालय से ही श्रद्धालुओं की एवं वाहनों की भीड़ बढ़ने लग जाती है। 14 किलोमीटर का मार्ग अत्यंत खराब अवस्था में होने के चलते वहां खराब होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। बोल बम कावड़ यात्रा के संयोजक गिरधर गुप्ता ने बताया कि पिपरी स्थित नर्मदा मंदिर पर श्रद्धालुओं को रुकने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। सबसे बड़ा चैलेंज खंडवा क्षेत्र के श्रद्धालुओं का भी रहेगा विगत 3 वर्षों से उस पार के श्रद्धालु भी बड़ी मात्रा में आते हैं ।हालांकि नाव प्रबंध नहीं होने से वह श्रद्धालु उसी किनारे पर स्नान और पूजा पाठ कर लेते हैं। पिपरी निवासी ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन को 14 किलोमीटर के कच्चे मार्ग पर ट्रैक्टर और क्रेन की व्यवस्था तैयार रखना चाहिए ताकि कोई वाहन खराब होने पर उसे व्यवस्थित किया जा सके साथ में स्नान घाट के पास वाटर प्रूफ डोम टेटं की भी आवश्यकता महसूस की जाती है। मानसून की बेरुखी के चलते श्रद्धालु लंबे समय तक उसके नीचे सहारा ले सकते हैं। बागली जनपद सीईओ लंबे समय से इस क्षेत्र में सेवा दे रहे हैं उन्हें इस बात का पूरा अनुभव है। हालांकि नवागत बागली अनुविभागीय अधिकारी इस संबंध में क्या निर्णय लेते हैं। उस पर श्रद्धालुओं की निगाह बनी है। आधिकारिक आदेश के अनुसार संभवत पार्किंग व्यवस्था शुल्क इस बार दो पहिया वाहन से 10 चार पहिया वाहन से 50 तथा आईसर तथा बड़े वहां से सो रुपए पंचायत शुल्क वसूलने की तैयारी भी की गई है। हालांकि विगत वर्ष बागली विधायक मुरली भंवरा एवं हाटपिपलिया विधायक मनोज चौधरी के हस्तक्षेप के बाद यात्रियों का आना-जाना और वाहनों का प्रवेश तथा पार्किंग निशुल्क कर दिया था। इस बार फिर से यह रखरखाव शुल्क लगाने के फरमान जारी हो गए हैं। पर्व स्नान को दो दिन बाकी है इन दिनों में विधायक हस्तक्षेप करे तो यह शुल्क है सकता है। और श्रद्धालुओं को राहत भी मिल सकती है।

शारदीय नवरात्रि अनुष्ठान- नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं साधना शिविर

हाटपीपल्या- स्थानीय गायत्री तीर्थ पर प्रतिवर्षानुसार नवरात्रि पर्व पर प्रतिदिन गायत्री अनुष्ठान, नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार और साधना शिविर का आयोजन दिनांक 22 सितंबर 2025, सोमवार से दिनांक 2 अक्टूबर 2025, गुरुवार तक किया गया है।

प्रतिदिन प्रातः 3:45 से 4:00 बजे तक सामूहिक देव पूजन और आरती, प्रातः 4:00 बजे से 5:00 बजे तक सबके उज्जवल भविष्य के लिए सामूहिक गायत्री महामंत्र का जाप, प्रातः 5:00 बजे से 7:30 बजे तक नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार और गोष्ठी होगी।

शाम को प्रतिदिन 5:30 से 7:00 बजे तक नादयोग, चालीसा और आरती होगी। कार्यक्रम की महापूर्णाहुति दिनांक 2 अक्टूबर 2025, गुरुवार को विजयादशमी पर्व पर होगी।

यह जानकारी गायत्री परिवार के श्री गिरीश चंद्र गुरु ने देते हुए क्षेत्र के सभी परिजनों से उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन किया है। सभी संस्कार दिनांक 28 सितंबर 2025 रविवार को संपन्न कराए जाएंगे।

संपादकीय | ट्रंप ने कॉल कर पीएम मोदी को दिया बड़ा संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर हुई बातचीत से द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाने से बने अनिश्चितता के माहौल में इस बातचीत को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका एवं वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इससे उस संभावना को भी बल मिला है कि आने वाले समय में शुल्क के मसले को सुलझाने के लिए सकारात्मक पहल की जा सकती है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा का प्रवाह होगा। क्योंकि, दोनों राष्ट्राध्यक्षों की बातचीत से पहले भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का नया दौर भी शुरू हो गया है, जो अमेरिकी शुल्क की घोषणा के बाद से थम गया था। यानी दोनों देशों के बीच रिश्तों पर जमी आशंकाओं और अविश्वास की बर्फ अब पिघलने लगी है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर कई मसलों पर अपनी राय रखी और द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया। यही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यों की सराहना भी की और यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद से ट्रंप ने पहली बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर उनसे बातचीत की है। इसे इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह बातचीत दोनों नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर संदेशों के आदान-प्रदान के कुछ दिनों बाद हुई है और इससे संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के संकेत मिलते हैं। ट्रंप ने पहले भारत से अमेरिका

को निर्यात की जानी वाली वस्तुओं पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया और फिर रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जुर्माने के तौर पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लगाने का एलान कर दिया। इससे भारत और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने अमेरिका के इस फैसले को अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया था। पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी राष्ट्रपति के सलाहकारों की ओर से भारत को लेकर जिस तरह के बयान आ रहे थे, उससे साफ नजर आ रहा था कि यह सिर्फ दबाव बनाने की रणनीति है। मगर, भारत की ओर से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया है कि राष्ट्रहित से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। फिर चाहे बात शुल्क की हो या व्यापार समझौते में अमेरिकी शर्तों की। विदेशी मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका को लग रहा था कि उसकी शुल्क नीति से भारत दबाव में आ जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बीच, पिछले दिनों चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों का एक मंच पर आना भी अमेरिका के लिए बड़ा कूटनीतिक संदेश था। इसके बाद ट्रंप का वह बयान भी चर्चा में रहा, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। जाहिर है, अमेरिका विश्व में भारत की बढ़ती साख और अहमियत को ज्यादा दिन तक नजरअंदाज नहीं कर सकता और यही वजह है कि भारत से संबंधों को लेकर अब उसके रुख में नरमी देखी जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि बातचीत को जो सिलसिला शुरू हुआ है, वह आगे भी जारी रहेगा और साझा हितों को साधने की कोशिश की जाएगी।

क्या 22 सितंबर से आसान हो जाएगी जिंदगी?

अगर नई जीएसटी दरों से खपत बढ़ती है, तो अतिरिक्त 52,000 करोड़ रुपए का फायदा भी होगा, जिसमें से 26,000 करोड़ केंद्र को और इतना ही राज्यों को मिलेगा। इसका मतलब है कि नए वित्तीय वर्ष में भी राज्यों की आमदनी बेहतर रहेगी। जीएसटी की व्यवस्था ऐसी है कि राज्यों की आमदनी थोड़े समय के लिए कम होने पर भी उन्हें नुकसान नहीं होता। चाहे जीएसटी की दरों में बदलाव किया जाए या मुआवजा शुल्क बंद हो जाए, राज्यों के पैसे सुरक्षित रहते हैं। इस व्यवस्था में यह सुनिश्चित किया जाता है कि कर सुधार के दौरान भी राज्यों के खजाने और हित पूरी तरह सुरक्षित रहें। वर्ष 2018 और 2019 में जब जीएसटी दरों में बदलाव किया गया था, तो शुरू में राजस्व में थोड़ी गिरावट (तीन से चार फीसद) आई, लेकिन कुछ ही महीनों में राजस्व फिर से बढ़ने लगा। इसका मतलब है कि दरों में बदलाव केवल थोड़े समय के लिए असर डालता है, जबकि दीर्घकालिक स्तर पर यह फायदेमंद होता है। इससे व्यवसायों पर कर जमा करने का बोझ कम होता है।

रणजीत टाइम्स

इन दिनों पूरे देश की निगाहें 22 सितंबर से लागू होने वाले वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के लाभों को मुट्ठी में लेने के लिए लगी हुई हैं। जीएसटी संबंधी बड़े सुधार के एलान के बाद इस विषय पर सामने आ रही रपटों में कहा जा रहा है कि करों में कटौती आम आदमी के लिए राहत और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में परिवर्तनकारी पहल साबित हो सकती है। मगर जीएसटी में सुधार को लेकर जागरूकता के साथ-साथ इसका ठीक से क्रियान्वयन भी जरूरी है।

जागरूकता और अधिकारियों एवं उद्यमियों-कारोबारियों के बीच सार्थक वार्ता से जहां जीएसटी संबंधी भ्रम दूर होंगे, वहीं उद्योग-व्यवसाय, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग जीएसटी सुधारों से सहजता से लाभान्वित होंगे। खास बात यह भी है कि जीएसटी सुधारों ने देश को एक तरह की आर्थिक सुरक्षा दी है, जिसकी उपयोगिता आगामी समय में किसी भी भू-राजनीतिक चुनौती और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाले प्रभावों की भरपाई के रूप में दिखाई दे सकती है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, अमेरिकी शुल्क से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर जीएसटी ढांचे तथा दरों में आमूल-चूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खासतौर से छोटे व्यापारियों के लिए काम करना आसान हो जाएगा। यदि हम देश में जीएसटी व्यवस्था से पहले लागू विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को देखें, तो पाते हैं कि देश में मूल्य वर्धित कर (वैट), सेवाकर, उत्पाद शुल्क जैसे कई अप्रत्यक्ष करों के कारण उद्योग-कारोबार कठिनाई का सामना करते रहे हैं।

एक जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर विगत आठ वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद अब इसमें सरलता लाने और नए जीएसटी ढांचे के दिशानिर्देश को मंजूरी दी गई है। जीएसटी में सुधार के तीन बड़े आधार हैं। पहला, कर संरचना सुधार। इसमें कर ढांचे को और बेहतर किया गया है। दूसरा, दरों को तर्कसंगत बनाया गया, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीसरा, नए पंजीकरण एवं रिफंड को आसान बनाया गया है।

यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि जीएसटी के पंजीकरण से लेकर पालन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। एक नवंबर से छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों के लिए आसान जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू करने का जो निर्णय लिया गया है, वह अत्यधिक लाभप्रद होगा। खास तौर से वैकल्पिक सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण योजना के अंतर्गत कम जोखिम वाले छोटे उद्योग से जुड़े कारोबारी आवेदन जमा करने की तिथि से तीन कार्य दिवसों के भीतर स्वचालित आधार पर पंजीकृत हो जाएंगे।

निस्संदेह जीएसटी की नई दरें कितनी लाभप्रद होंगी, इसका अंदाज इस बात से लगा सकते हैं कि इस नए बदलाव से वर्तमान में बारह फीसद जीएसटी वाली लगभग 99 फीसद वस्तुएं अब पांच फीसद कर श्रेणी

के दायरे में आ जाएंगी। जबकि अट्ठाईस फीसद कर वाली लगभग नब्बे फीसद वस्तुएं अठारह फीसद कर दायरे में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी-पराठे और कैंसर समेत तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा।

सभी वाहन-पुर्जों पर जीएसटी अठारह फीसद होगा। सीमेंट पर कर अब 28 फीसद से घट कर 18 फीसद हो गया है। इससे अब घर बनाने में आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसानों और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी।

अगर नई जीएसटी दरों से खपत बढ़ती है, तो अतिरिक्त 52,000 करोड़ रुपए का फायदा भी होगा, जिसमें से 26,000 करोड़ केंद्र को और इतना ही राज्यों को मिलेगा। इसका मतलब है कि नए वित्तीय वर्ष में भी राज्यों की आमदनी बेहतर रहेगी। जीएसटी की व्यवस्था ऐसी है कि राज्यों की आमदनी थोड़े समय के लिए कम होने पर भी उन्हें नुकसान नहीं होता। चाहे जीएसटी की दरों में बदलाव किया जाए या मुआवजा शुल्क बंद हो जाए, राज्यों के पैसे सुरक्षित रहते हैं। इस व्यवस्था में यह सुनिश्चित किया जाता है कि कर सुधार के दौरान भी राज्यों के खजाने और हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

वर्ष 2018 और 2019 में जब जीएसटी दरों में बदलाव किया गया था, तो शुरू में राजस्व में थोड़ी गिरावट (तीन से चार फीसद) आई, लेकिन कुछ ही महीनों में राजस्व फिर से बढ़ने लगा। इसका मतलब है कि दरों में बदलाव केवल थोड़े समय के लिए असर डालता है, जबकि दीर्घकालिक स्तर पर यह फायदेमंद होता है। इससे व्यवसायों पर कर जमा करने का बोझ कम होता है।

यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि जीएसटी में सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आने से आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ेगी। मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी और मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी। वहीं, लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी।

बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग अमेरिकी शल्क के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और विनिर्माण क्षेत्र से लेकर सेवा क्षेत्र तक मांग का बढ़ता हुआ दायरा साफ दिखाई देगा। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब दो लाख करोड रुपए की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी।

मांग और उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में नौ सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजंसी मूडीज ने अपनी एक रपट में कहा है कि भारत में जीएसटी दरों में कमी किए जाने से निजी उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास की स्थिति मजबूत होगी। साथ ही इससे महंगाई में भी कमी आने की उम्मीद है।

इसी तरह वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजंसी 'एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग' ने कहा है कि भारत में पिछले पांच-छह वर्षों के दौरान जीएसटी में सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं। अब इसकी दो दरें बनने से इसकी कार्यान्वयन और लेखांकन प्रक्रिया आसान हो जाएगी। इससे विकास दर की ऊंचाई बढ़ेगी। पिछले दिनों वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर के अनुमान को 6.5 फीसद से बढ़ा कर 6.9 फीसद कर दिया है।

उम्मीद करें कि सरकार नई जीएसटी व्यवस्था के प्रति जागरूकता और कार्यान्वयन पर शुरुआत से ही ध्यान देगी। इन बदलावों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए अधिकारियों और व्यापार जगत के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जीएसटी और कर कानूनों की सरलता से सभी लोग लाभान्वित हों तथा भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगे।

स्कूल छोड़कर कम उम्र में संभाला कारोबार

आज 2300 करोड़ रूपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
किसी भी काम को करने के लिए उम्र जरूरी नहीं होती। जरूरी है तो हौसला। यह सच कर दिखाया है मिल्की मिस्ट के फाउंडर टी सतीश कुमार ने। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने स्कूल छोड़कर डूबते हुए पारिवारिक दूध कारोबार को बचाने का जिम्मा उठाया और आज 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर दिया। अब उनकी कंपनी स्टॉक मार्केट में कदम रखने जा रही है।

सतीश कुमार की यात्रा1980 के दशक की शुरुआत में शुरू होती है, जब उनके पिता और चाचा एक छोटी पावर लूम यूनिट चला रहे थे। वह बिजनेस ज्यादा समय तक नहीं चला और तीन साल में बंद करना पड़ा। फिर उन्होंने दूध का बिजनेस शुरू किया। वे लोकल वेंडरों से दूध खरीदते थे, उसे ठंडा करते थे और लगभग 3,000 लीटर प्रतिदिन कैन में भरकर बेंगलुरु भेजते थे। वह भी सफल नहीं हुआ। उनके चाचा साल 1990 में गुजर गए और 1992 तक बिजनेस बंद हो गया।

16 साल की उम्र में संभाला कारोबार

उस समय सतीश सिर्फ 16 साल के थे। उन्होंने स्कूल छोड़ बिजनेस की दुनिया में कदम रख दिया। उन्होंने देखा था कि बेंगलुरु में उनके दूध के खरीदारों में से एक उनसे ही दूध खरीद कर उससे पनीर बनाता है और होटलों को बेचता था। बस यहीं से सतीश को आइडिया मिल गया। उसने भी ऐसा करने का फैसला किया। उस समय सिखाने के लिए कोई इंटरनेट नहीं था। इसलिए उन्होंने प्रयोग करके सीखा। उन्होंने दूध उबाला, उसमें सिरका डाला और तब तक प्रोसेस को रिफाइन किया जब तक उन्हें सही स्वाद और टेक्सचर नहीं मिल गया। साल 1993 में वह अपना पहला 10 किलो पनीर एक बैग में भरकर बेंगलुरु ले गए। जल्द ही वह होटलों को प्रतिदिन 50 से 100 किलो पनीर पहुंचाने लगे।

सिर्फ पनीर पर किया फोकस

साल 1995 तक उन्होंने लिक्विड दूध की सप्लाई बंद कर दी और पूरी तरह से पनीर पर फोकस किया। साल 1997 में उन्होंने चेन्नई, बेंगलुरु और कोयंबटूर में रिटेल मार्केट में प्रवेश किया। साल 2010 में वे मिल्की मिस्ट ब्रांड लेकर आए और अपना पहला टेलीविजन कमर्शियल लॉन्च किया। उसके बाद से कंपनी तेजी से बढ़ी।

अब कितना है टर्नओवर

साल 2015 में मिल्की मिस्ट में ज्यादातर काम मैन्युअल रूप से किया जाता था। उस समय उनका टर्नओवर लगभग 120 करोड़ रुपये था। आज यह 2300 करोड़ रुपये को पार कर गया है। आज उनके कैटलॉग में प्रोडक्ट की रेंज चौंका देने वाली है। कंपनी आज आइसक्रीम से लेकर डार्क चॉकलेट, वेफर चॉकलेट, बटर, चीज, दही, फ्रूट योगर्ट, घी, मिल्कशेक और यहां तक कि रेडी-टू-कुक प्रोडक्ट जैसे पिज्जा और डेसर्ट तक बनाती है।

आईपीओ की तैयारी

मिल्की मिस्ट आईपीओ के लिए तैयार है। एक ऐसा कदम जो इस होम-ग्रोन डेयरी ब्रांड को पूरी तरह से एक नई लीग में ले जाएगा। कंपनी 2,035 करोड़ रुपये के आईपीओ के साथ दलाल स्ट्रीट पर उतर रही है। इसमें 1,785 करोड़ रुपये का नया इश्यू और 250 करोड़ रुपये के प्रमोटर्स द्वारा ओएफएस शेयर जारी किए जाएंगे।

इससे कंपनी अपने 750 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान करेगी। साथ ही 414.7 करोड़ रुपये से दही, क्रीम, चीज और मट्ठा के लिए प्लांट की क्षमता का विस्तार होगा। इसके अलावा कंपनी 129.4 करोड़ रुपये कोल्ड-चेन गियर में इस्तेमाल करेगी।

तकनीक आज की और कीमत 5 साल पुरानी !

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी स्ट्रक्चर में बदलाव करने के फैसले का सबसे बड़ा असर छोटी और एंट्री लेवल कारों पर दिख रहा है। टैक्स घटने के बाद मारुति सुजुकी, रेनॉ, टाटा और ह्यूंदै जैसी कंपनियों की बजट कारें पहले से ज्यादा किफायती हो गई हैं। इसका सीधा फायदा उन ग्राहकों को होगा जो पहली बार कार खरीदने की योजना बना रहे हैं। सबसे बड़ा धमाका तो मारुति सुजुकी की तरफ से हुआ है। कंपनी ने जीएसटी 2.0 का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाते हुए कीमतों में कमी का ऐलान किया है। इसमें भी एंट्री लेवल कारों में जबर्दस्त कमी आई है। मारुति की एस-प्रेसो कार की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 3.49 लाख रुपये हो गई है। मजेदार बात यह है कि यह कार 2019 में जब लॉन्च हुई थी तब इसकी शुरुआती कीमत 3.69 लाख रुपये थी। यानी इसे प्री- कोविड युग की कीमतों के भी नीचे पहुंचा दिया गया है। फेस्टिव सीजन के साथ कीमतों में इस भारी कमी के बाद लंबे समय से ठंडे पड़े एंट्री लेवल कारों के बाजार को नई जान मिल सकती है।

कितनी सस्ती हुई गाड़ियां: यह बदलाव न केवल मारुति के लिए बल्कि पूरे ऑटो सेक्टर के लिए गेम चेंजर साबित हो रहा है। टाटा, ह्यूंदै और रेनॉ जैसे कंपनियां जिनके पास लेवल कारें हैं उन सभी के लिए यह बेहतरीन मौके के तौर पर आया है। छोटी कारों की सेल्स में 20-30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, जो अर्थव्यवस्था को बूस्ट भी देगी क्योंकि इससे वो ग्राहक मार्केट में लौट सकते हैं जो अभी तक कार खरीदने का प्लान ठंडे बस्ते में डालकर बैठे थे।

वोडा-आइडिया की गुहार सुनने को सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम की लीडिंग कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को बड़ी राहत दी है। दरअसल, कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने की मांग की गई है। न्यायालय 26 सितंबर को मामले की सुनवाई करेगा। इस खबर के बाद वोडाफोन आइडिया के 9 रुपये से कम वाले शेयर पर निवेशक टूट पड़े और इसमें 12 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई। ट्रेडिंग के दौरान शेयर का भाव 8.82 रुपये पर पहुंच गया। एक दिन पहले इस शेयर की कीमत 8 रुपये से भी कम थी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने दूरसंचार कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करने के बाद याचिका पर विचार के लिए अगले शुक्रवार की तारीख तय की। विधि अधिकारी ने कहा कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं और संबंधित पक्ष समाधान खोजना चाहते हैं। कंपनी ने आठ सितंबर को एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग (डॉट) को तीन फरवरी, 2020 के कटौती सत्यापन दिशानिर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक के सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन करने का अनुरोध किया था।

कर संग्रह 9 फीसदी बढ़कर 10.82 लाख करोड़

● कंपनियों से अग्रिम कर वसूली में 6.11 फीसदी का उछाल ● प्रतिभूति लेनदेन कर से जुटाए गए 26,306 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर अब तक 9.18 फीसदी बढ़कर 10.82 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह संग्रह 9.91 लाख करोड़ रुपये था। कंपनियों से अग्रिम टैक्स वसूली में वृद्धि और रिफंड में गिरावट से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में तेजी आई है। इस अवधि में करदाताओं को जारी रिफंड 24 फीसदी घटकर 1.61 लाख करोड़ रुपये रह गया।

आयकर विभाग के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक अप्रैल से 17 सितंबर के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 3.39 फीसदी बढ़कर 12.43 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस अवधि में कॉरपोरेट यानी कंपनियों से अग्रिम कर वसूली 6.11 फीसदी बढ़कर 3.52 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। हालांकि, गैर-कॉरपोरेट से अग्रिम कर वसूली 7.30 फीसदी घटकर 96,784 करोड़ रुपये रह गई। शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह एक साल पहले की समान अवधि के 4.50 लाख करोड़ से बढ़कर 4.72 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) के रूप में 26,306 करोड़ रुपये जुटाए गए। एक साल पहले की समान अवधि में एसटीटी 26,154 करोड़ रुपये रहा था। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर के रूप में 25.20 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो सालाना आधार पर 12.7 फीसदी अधिक है। इस दौरान प्रतिभूतियों के लेनदेन से 78,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, अग्रिम कर की निकासी के चलते बैंकों में नकदी घटकर चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इस कारण बैंकों को अब धन जुटाने के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे रोजाना के फाइनेंस की लागत भी बढ़ गई है। दरअसल, हर तिमाही के अंतिम महीने की 15 तारीख को कंपनियां अग्रिम कर भरती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से शिक्षकों में मचा हड़कंप, पुनर्विचार याचिका की उठी मांग - ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन

भोपाल। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देशभर के शिक्षकों के लिए अनिवार्य पात्रता परीक्षा को लेकर दिए गए आदेश ने मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के शिक्षकों को चिंता और ऊहापोह की स्थिति में डाल दिया है। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. सिंगौर, महासचिव सुरेश यादव और मीडिया प्रभारी हीरानंद नरवरिया ने इस मामले को गंभीर बताते हुए तत्काल पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की मांग की है। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि 1 सितम्बर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में आरटीई अधिनियम के अंतर्गत देशभर के शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी है। वर्ष 2011 में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी के लिए नियमावली बनाई गई थी, जिसके बाद मध्य प्रदेश में 2012 से परीक्षा का आयोजन शुरू हुआ और 2022 से इसी आधार पर शिक्षक भर्ती की जा रही है। मगर 2011 से पहले भी प्रदेश में शिक्षक भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से होती रही है, जिनमें शैक्षणिक योग्यताएँ और परीक्षा का स्वरूप वर्तमान टीईटी से भिन्न था। ऐसे में पहले से सेवा में कार्यरत और योग्यताएँ पूरी कर नियुक्त किए गए शिक्षकों को दोबारा परीक्षा देने के लिए बाध्य करना न्यायसंगत नहीं है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि 1998 से प्रदेश में शिक्षाकर्मियों की नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। 2001 और 2003 में नियुक्त संविदा शाला शिक्षक भी अदालत के आदेशों के तहत कार्यरत हैं। ईजीएस गुरुजी भी परीक्षा पास करने के बाद संविदा शिक्षक बने और बाद में अध्यापक संवर्ग में सम्मिलित हुए। इसके पहले सभी शिक्षकों का वस्तुपरक मूल्यांकन किया गया था और जिनकी व्यावसायिक योग्यताएँ पूरी नहीं थीं, उन्हें संवर्ग में शामिल नहीं किया गया। यही नहीं, नवीन शिक्षक संवर्ग में शामिल करने से पहले उनके सेवा अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा भी की गई थी। संघ का कहना है कि शिक्षक लोकसेवक हैं और नियुक्ति के समय उन्होंने सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी की हैं। किसी एक परीक्षा के आधार पर उनकी सेवा समाप्त करना या पदोन्नति रोकना न केवल अनुचित है, बल्कि नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन भी है। इस आदेश का भूतपूर्व प्रभाव (रिट्रोस्पेक्टिव एप्लिकेशन) कार्यरत शिक्षकों को भारी नुकसान पहुँचा सकता है।

एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि इस निर्णय पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि- कई शिक्षक न्यूनतम शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यता पूरी नहीं करते, फिर भी वर्षों से सेवा में हैं।

कई राज्यों में एनसीटीई के नोटिफिकेशन से पहले भी पात्रता परीक्षा के आधार पर नियुक्तियाँ हुई हैं। पुराने कर्मचारियों को नई नियमावली से बाध्य करना अन्यायपूर्ण है। कुछ राज्यों में नियुक्तियाँ न्यायालय के आदेशों पर आधारित रही हैं। संघ ने प्रदेश सरकार से माँग की है कि उत्तर प्रदेश और केरल की तरह सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाए। साथ ही तमिलनाडु की तर्ज पर सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष परीक्षा व्यवस्था लागू करने पर विचार किया जाए। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल शिक्षकों की सेवा सुरक्षा का ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता और नैसर्गिक न्याय के संरक्षण का भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार और सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में शिक्षकों के अधिकारों और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए संवेदनशील कदम उठाएंगे।

एआई को अपना दोस्त बनाएं

नौकरी का डर होगा खत्म!

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है किए आई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं।

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है कि एआई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं। ह्यूमन टच, क्रिएटिव और स्ट्रैटजिक वाले रोल्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप खुद को अपस्किल करें और थोड़ा सा कॉन्फिडेंस लाएं व एआई को अपना दोस्त बनाते हैं, तो यह तय है कि मार्केट में आपकी डिमांड कभी खत्म नहीं होगी।

कस्टमर सर्विस

पिछले साल एक स्डटी में कहा गया कि एआई से 60% कॉल सेंटर जॉब्स प्रभावित हो सकती हैं।

मार्केटिंग

हालांकि बेसिक डिजिटल मार्केटिंग रोल्स खतरे में हैं, लेकिन क्रिएटिव कैंपेन स्ट्रैटेजी ह्यूमन्स सरक्षित हैं।

हेल्थकेयर

डायग्नोस्टिक्स और रिकॉर्ड-कीपिंग को एआई टूल्स ऑटोमेट कर रहे हैं।

एजुकेशन

ट्यूटर्स और ऑटोमेटेड ग्रेडिंग सिस्टम्स बेसिक टीचिंग असिस्टेंट रोल्स एआई कम करने का काम कर रहा है।

लीगल

कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस और बेसिक रिसर्च को एआई ऑटोमेट कर रहा है। वहीं इसका असर पैरालीगल और जूनियर लॉयर्स पर भी है।

जर्नलिज्म

एआई का असर जूनियर जर्नलिस्ट्स और कॉपी एडिटर्स पर ज्यादा है। एआई कंटेंट मॉडरेशन, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और बेसिक फैक्ट-चेकिंग कर रहे हैं।

मैनेजमेंट

मिड-लेवल और ऑपरेशनल रोल्स को भी एआई प्रभावित कर रहा है। इंटरव्यू शेड्यूलिंग, रिज्यूमे स्क्रीनिंग और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग आदि काम एआई कर रहा है।

फाइनेंस

कई जगह अब एआई टूल्स बेसिक अकाउंटिंग और बजट एनालिसिस को हैंडल कर रहे हैं।

सॉफ्टवेयर

कोडिंग में 40% तक जूनियर रोल्स की मांग घटी हैं। क्योंकि एआई से डेटा क्लीनिंग और बेसिक एनालिटिक्स भी हो रहा है।

खुद को ऐसे करें अपस्किल

- एआई रिपीटिटिव काम करता है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस, क्रिएटिव सॉल्यूशन्स और ह्यूमन टच एआई की पहुंच से बहुत दूर है। ह्यूमन कनेक्शन अभी भी बहुत जरूरी है। इसलिए अपने फील्ड के लोगों से जुड़े रहें, इंडस्ट्री ट्रेंड्स पर नजर रखें और मेंटर्स ढूंढें।
- अगर आप जर्नलिस्ट हैं, तो आपको डेटा जर्नलिज्म, इमोशनल स्टोरीटेलिंग, एआई-बेस्ड रिसर्च टूल्स या मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग सीखना चाहिए।
- लीडरशिप, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट और ह्यूमन इंटरेक्शन्स आदि एआई के बस की बात नहीं है।
- अगर आप मैनेजर हैं, तो आपको डेटा-ड्रिवन डिसीजन मेकिंग और एआई टूल्स का इस्तेमाल करना सीखना चाहिए। इसलिए आप अपनी इमोशनल इंटेलिजेंस और कम्युनिकेशन को अधिक शार्प करें।
- सॉफ्टवेयर सेक्टर में सिस्टम आर्किटेक्ट्स, सीनियर डिवेलपर्स और मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट्स जैसे रोल्स अभी भी सुरक्षित हैं।
- क्रिएटिविटी, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम-सॉल्विंग और स्ट्रैटेजिक थिंकिंग जैसे काम एआई अभी भी नहीं कर सकता है।
- साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड या एआई डिवलपमेंट सीखकर आप मार्केट में बने रह सकते हैं।
- रोजाना के दोहराव वाले काम एआई से कराएं और बचे हुए समय में अपनी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को बढ़ाएं। एआई सारे काम कर सकता है, लेकिन वह लीडरशिप, क्रिएटिव सोच, टीमवर्क और इंसानों जैसी समझ नहीं ला सकता है। इसलिए खुद को इसमे अपस्किल रखें। समय के साथ ही छोटे-छोटे कोर्स करते रहें और एआई टूल्स को रोजमर्रा के कामों में इस्तेमाल करना चाहिए। रूटीन की जगह क्रिएटिव और स्पेशल प्रोजेक्ट पर फोकस रखें। आप जिस भी सेक्टर में हैं, उस सेक्टर के प्रमुख एआई टूल्स पर प्रैक्टिस करते रहें।

स्पेशलिस्ट और एआई बनाएगा परफेक्ट

बड़ी कंपनियों में सीनियर पोजिशन से भी लोगों को निकाला गया, इसका कारण सिर्फ एआई नहीं हो सकता है। जो लोग 8-10 घंटे में कोई काम करते हैं, वह एआई कुछ मिनटों में कर सकता है। लेकिन एआई स्पेशलिस्ट नहीं बन सकता है। यह एक ऐसी स्किल है, जो हमको एआई से आगे रख सकती है। खुद को किसी भी एक चीज में स्पेशलिस्ट बनाएं। इसके साथ ही एआई टूल्स से भी फ्रेंडली रहेंगे तो मार्केट में आपकी डिमांड बनी रहेगी। अपने सेक्टर में नेटवर्किंग अच्छी रखें, खुद की ब्रैंडिंग के लिए क्रिएटिव रहें और हमेशा कुछ न कुछ नया पढ़ते व सीखते रहें। इसके अलावा रेगुलेटर्स और पॉलिसी मेकर्स को यह जरूर सीखना होगा कि पुरानी चीजों को सिखाने की बजाय अब नई चीजों को सिखाने पर जोर देना चाहिए।

अपनी क्रिएटिविटी को बढ़ाएं

एआई टूल्स कैसे जवाब देते हैं और कैसे सोचते हैं। इससे वाकिफ रहना जरूरी है। अगर आप एआई को अपना दुश्मन नहीं बल्कि मेंटर मानें, तो आपका काम आसान रहे। इससे क्वालिटी चेक, प्रोजेक्ट प्लानिंग, बेसिक कंटेंट राइटिंग या डेटा एनालिसिस जैसे काम एआई से कराएं। इससे न सिर्फ आपके समय की बचत होगी, बल्कि उस दौरान खुद को अपस्किल करने में लगाएं। अगर आपके पास किसी इंस्टिट्यूट में जाने का समय नहीं है, तो आप एआई के एक्सपर्ट हो या स्पेशल प्रोजेक्ट के जानकार से चीजें ऑनलाइन सीखें। साथ ही उनसे बातचीत का दायरा बढ़ाएं और क्रिएटिविटी पर फोकस रखें। मार्केट में अपनी नेटवर्किंग बनाएं और अपनी स्पेशिलिटी की ब्रैंडिंग करें।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का 8वां अवार्ड समारोह ब्रिटिश संसद में सम्पन्न

30 देशों के प्रतिभाशाली प्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

एजेंसी, लंदन

ब्रिटिश संसद के वेस्टमिंस्टर हॉल में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का 8वां अवार्ड समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, अफ्रीका और एशिया से आए 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सेवा, व्यापार नेतृत्व, सतत विकास, युवा नवाचार और सामुदायिक उत्थान जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिवंगत माननीय लॉर्ड स्वराज पॉल को श्रद्धांजलि अर्पित करने और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मैगज़ीन 2025 के कवर पेज विमोचन से हुई। इसके साथ ही "नशे से दूरी है जरूरी" शपथ भी दिलाई गई, जिसकी पहल मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना (IPS) ने की और संचालन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के. पी. वेंकटेश्वर राव (IPS) ने किया। मुख्य वक्तव्य वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स यूके के सीईओ संतोष शुक्ला ने दिया। उन्होंने वैश्विक एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व विश्व निर्माण पर बल देते हुए कहा कि यह मंच असाधारण उपलब्धियों का उत्सव मनाने और समाज के प्रेरणादायी प्रयासों को रेखांकित करने का माध्यम है।

समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख थे—

- लॉर्ड रामी रेंजर (हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके)
- रेबेका कडागा (प्रथम उप-प्रधानमंत्री, युगांडा)
- लोकेश नारा (केंद्रीय मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार)
- रूथ ननकबिरवा (मंत्री, ऊर्जा एवं खनिज विकास, युगांडा सरकार)
- वीरेंद्र शर्मा (वरिष्ठ लेबर पार्टी नेता व पूर्व ब्रिटिश सांसद)
- राजदूत निमिषा माधवानी (उच्चायुक्त)
- एच.एच. राजराजेश्वर गुरुजी (आध्यात्मिक गुरु, लंदन)
- महेंद्रसिंह सी. जाडेजा (दादा), लंदन
- आर्या राजेन्द्रन (महापौर, तिरुवनंतपुरम नगर निगम, केरल)
- नागरज टी. पुजार (विशेष अधिकारी, कर्नाटक सरकार)
- राज त्रिपाठी, यूके

इस अवसर पर आश्विनभाई त्रिवेदी, डॉ राजीव श्रीवास्तव, डॉ तिथि भल्ला, भी उपस्थित थे। समारोह का समापन कोरीना सुज्डेआ (रोमानिया) और डॉ. सुचिता शुक्ला के धन्यवाद के साथ हुआ।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

पंकज मीणा को ब्लॉक मानपुर सेवादल अध्यक्ष नियुक्त किया

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया प्रदेश सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष योगेश यादव ने जमीनी नेता पंकज मीणा को ब्लॉक मानपुर सेवादल अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, गोविंद टेलर, जुगनू जादवसिंह धनावत, मनीष पटेल, मनमोहन गुनावत, गजेंद्रसिह राठौर, विष्णु यादव,आशीष जैन, महेंद्र गोस्वामी, अनूपसिंह जाट, रामनिवास मीणा, ओम पटेल, घनश्याम यादव, वीरेंद्रसिंह ठाकुर,मणिशंकर मीणा, सत्यनारायण चिचाणी,रविशंकर मीणा, चेतन चांदा, कपिल पटेल, रवि पटेल,भूपेंद्रसिंह चौहान, भगवान चौधरी,प्रकाश चौधरी,लाखन दरबार,मनोहर गावड़, पत्रकार मनीष पड़ीहार, भगवान ठाकुर, मूलचंद वर्मा,शानू खान, ईश्वर ठाकुर, देवेंद्र मीणा,विवेक मीणा,रजत मीणा, लोकेश मीणा इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जनों ने स्वागत किया।

महिलाओं को मिली निःशुल्क जांच और दवाओं की सौगा

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी)सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिछोर में आज "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार मिशन" के अंतर्गत एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की सभी महिलाओं को समस्त प्रकार

की स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक प्रीतम लोधी जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रीतम लोधी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति अत्यंत गंभीर है और एक स्वस्थ महिला ही सशक्त परिवार और समाज की नींव रखती है। उन्होंने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी और सभी से इसका लाभ उठाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जी ने पांच जरूरतमंद लोगों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए और टीबी से ग्रस्त मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु उन्हें फूड बास्केट भी प्रदान की। शिविर में जिला स्तर से आए सात विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की और उचित परामर्श दिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिला मंत्री मनीष अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकृष्ण पाराशर, श्रीमती पूनम सोनी, सांसद प्रतिनिधि आशीष चौधरी, विधायक प्रतिनिधि सुनील लोधी,गौरव मिश्रा, महामंत्री मुकेश पंसारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेश शर्मा, और ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (BPM) हर्षवर्धन पुरोहित ने शिविर की व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

आध्यात्मिक यात्रा में पुस्तकें मार्गदर्शक हो सकती हैं ध्येय नहीं

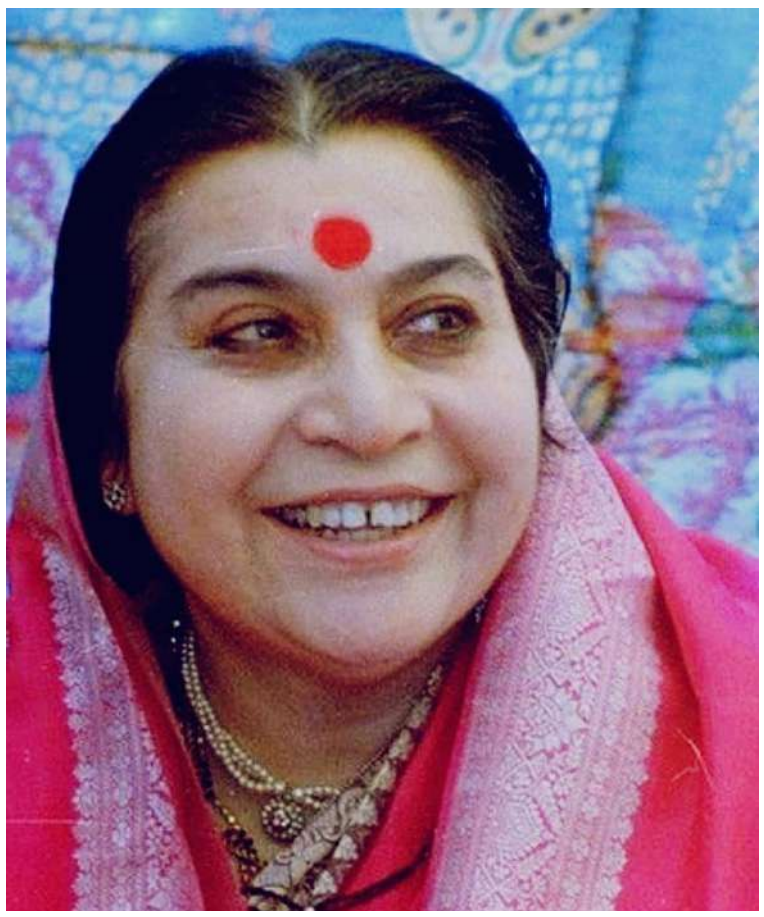

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की भूमिका है, जैविक व अजैविक। जो आदिशक्ति के स्वरूप श्री लक्ष्मी व श्री सरस्वती द्वारा संचालित हैं। लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं तो सरस्वती श्री ब्रह्मा जी की और ब्रह्मा का जन्म विष्णु की नाभि से माना जाता है। लक्ष्मी तत्व पदार्थों के रूप में स्पंदित होता है तो सरस्वती तत्व नाद के रूप में। पदार्थ व शब्द दोनों ही मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा हैं परंतु दोनों को ही आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली ने माया के आवरण में ढका हुआ होता है। पदार्थों का आकर्षण मनुष्य को स्थूल से ऊपर नहीं उठने देता। वहीं शब्दों की माया हमें किसी का प्रिय किसी, का विरोधी सफल या असफल बना देती है। शब्द तीन प्रकार के होते हैं - पहले जिनमें विभिन्न अक्षर प्रमुख होते हैं जो हमारे द्वारा बोले जाते हैं और दूसरे के द्वारा सुने जाते हैं, दूसरे जिन्हें सिर्फ हम सुन पाते हैं और तीसरे हैं मानस जहां वर्ण या क्षर प्रमुख होते हैं। हम अधिकांशतः दूसरी प्रकार के शब्दों के द्वारा छले जाते हैं, इसमें हमारे विचार, योजनाएं, स्मृतियां, लिखना, पढ़ना, आदि शामिल हैं।

हमारे मन में पदार्थों को देखकर जो इच्छाएं जागृत होती हैं वही शब्दों के रूप में प्रकट होती हैं। ज्ञान शब्द नहीं होते, शास्त्र कहते हैं ज्ञान पैदा नहीं होता और ना ही नष्ट किया जा सकता है ज्ञान जन्म से ही हमारे साथ होता है, जैसे-जैसे आत्मा से हमारी दूरी कम होती जाती है, आत्मा अनावरित होती जाती है वैसे वैसे आप को ज्ञान की प्राप्ति होती जाती है। और तब मानस शब्दों की अनुभूति हमें सूक्ष्म शरीर में विभिन्न चक्रों पर वर्णों के रूप में होती है। और ज्ञान की इस अवस्था में वर्णों का यह स्पंदन ब्रह्मांड के नाद से संयुक्त हो जाता है और तब संपूर्ण ब्रह्मांड का रहस्य स्वयं अंतस में प्रकट होने लगता है । जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता उसके अन्य सांसारिक ज्ञान भी भ्रांतिपूर्ण व अपूर्ण होते हैं। हम सदैव दूसरों के अनुभवों को ज्ञान के रूप में ग्रहण करते रहते हैं परंतु वास्तव में अविष्कारी या वैज्ञानिक वही होता है जो स्वयं का ज्ञान व अनुभव अर्जित करता है। पुस्तकें मार्गदर्शक हो सकती हैं ध्येय नहीं। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग आत्मा के आवरणों से परे ब्रह्मानुभूति का विज्ञान है। जो अंधविश्वासों, कर्मकाण्ड व आडंबरों से परे है। सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है। सहज योग में हम स्पंदनों की भाषा को समझने लगते हैं जो अधिक शक्तिशाली, तीव्रगामी व वास्तविक होती है। आप अपने किसी दूर बैठे हुए व्यक्ति के बारे में सिर्फ स्पंदनों से जान सकते हैं दूसरों की परेशानियों को ये स्पंदन ठीक कर सकते हैं विभिन्न रोगों का उपचार कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है स्पंदन के इस विज्ञान का अनुभव प्राप्त करने हेतु आप जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800से प्राप्त कर सकते हैं।